विज्ञान प्रगति : ज्ञान गंगा

मैं विज्ञान की सुप्रतिष्ठित पत्रिका विज्ञान प्रगति का पिछले 15 वर्षों से नियमित पाठक हूँ। इसका प्रत्येक अंक ज्ञान का एक ऐसा खज़ाना लेकर आता है जो पढ़ते ही आगामी अंक की बेसब्री से प्रतीक्षा करने की भूख जागृत करता है। सितंबर 2016 के अंक में प्रकाशित लेख अल नीनो व ला-नीना कर दे मुश्किल जीना, गुणों का भण्डार बड़हल वृक्ष, प्रकृति की अमूल्य औषधीय धरोहर : एलोवेरा को पढ़कर महत्वपूर्ण ज्ञान प्राप्त हुआ। वास्तव में विज्ञान प्रगति ज्ञान की वह अविरल गंगा है जो हम पाठकों के लिए विषय-वस्तु को सरल से सरलतम रूप में प्रस्तुत कर मानव पटल पर अमिट छाप छोड़ती है और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के नवीनतम पहलुओं पर प्रकाश डालकर अनमोल रत्न बन गयी। रचना, रोचक भाषा शैली, विषय-वस्तु की उत्कृष्ट एवं आकर्षक प्रस्तुति के लिए सम्पादक व उनके सहयोगी जनों के साथ-साथ सभी लेखक भी साधुवाद के पात्र हैं और परमात्मा से विनती है कि पत्रिका उत्तरोत्तर प्रगति करें।

श्री भरत कुमार अग्रवाल, आई आर एस ई (पी), ए - 8, शांति नगर, रुड़की 247 667 (उत्तराखण्ड) [मो. : 09458929022]

ज्ञानवर्द्धक पत्रिका

मैं विगत अनेक वर्षों से विज्ञान प्रगति का नियमित पाठक हूँ। मेरी बहन विज्ञान प्रगति की श्रोता है। मेरे पिताजी और मैं अपनी बहन को विज्ञान प्रगति में से पढ़कर सुनाते हैं। विज्ञान प्रगति का प्रत्येक अंक ज्ञानवर्द्धक होता है। सितम्बर 2016 के अंक में ड्रोन के बारे में काफी कुछ बताया गया है जो कि हमें पता नहीं था। ड्रोन किसानों के लिए भविष्य में काफी लाभदायक सिद्ध होगा। और इससे किसानों की परेशानियाँ भी दूर हो सकती हैं। रुचि ओमर का लेख 'प्रकृति की अमूल्य औषधीय धरोहर : एलोवेरा' मुझे बहुत पसंद आया और पता चला कि एलोवेरा घर में उगाएं तो इसके अनेक फायदें हैं। 'दिन प्रतिदिन का वैज्ञानिक इतिहास' बहुत अच्छा लगता है। मुझे चीनी के बारे में बहुत कुछ जानने को मिला। विज्ञान कविता ''घर की छत पर बगिया लगाएं'' भी बहुत पसंद आयी। मुझे विज्ञान प्रगति का सवाल-जवाब स्तंभ भी बहुत अच्छा लगता है।

श्री मयंक विजय भारती, वर्ग-9वीं, केन्द्रीय विद्यालय, वी वी नगर, आनंद 388 001 (गुजरात) [मो. : 08264440294]

पसंदीदा पत्रिका

मैं विज्ञान प्रगति पत्रिका का वर्ष 2010 से नियमित पाठक हूँ। विज्ञान प्रगति के लेख ज्ञानवर्द्धक होते हैं। मुझे इस पत्रिका को पढ़ना बहुत अच्छा लगता है। सितम्बर 2016 के अंक में, अल-नीनो व ला-नीना, एलोवेरा का गुण, बड़हल वृक्ष, क्यों गिरती है आकाशीय बिजली, आज का भयावह रोग कैंसर, प्रज्ञा गौतम जी की घर की छत पर बगिया लगाएं कविता सहित सभी लेख अच्छे लगे। यह मेरी पसंदीदा पत्रिका है।

श्री पंकज कुमार गौतम, ग्रा. अमरौली उर्फ बड़ा गांव, पो. नंगला हरेरू मवाना, जि. मेरठ 250 401 (उ.प्र.) [मो. : 8126570275]

रुचिकर पत्रिका

मैं अक्तूबर 2015 से विज्ञान प्रगति का नियमित पाठक हूँ। मेरी रुचि विज्ञान की अन्य पत्रिकाओं की तुलना में विज्ञान प्रगति में बहुत अधिक है। मुझे अगस्त 2016 का अंक बहुत अच्छा लगा। इसमें 'पुष्प निर्जलीकरण' बहुत पसंद आया। मांसाहार कम करने वाला लेख मुझे बहुत पसन्द आया जिसमें अण्डे और दूध को शाकाहार का प्रमुख स्रोत माना गया। 'भविष्य के शहर' इतना अच्छा लेख होगा हमने कभी सोचा ही नहीं था। सवाल-जवाब जैसे लेखों ने हमें नया जीवन दिया है। जून 2016 की आमुख कथा 'दिल्ली को समझना होगा सांसों का दर्द' बहुत पंसद आयी।

डॉ. पदम किशोर हुड्डा, सुपुत्र श्री पूराराम जी हुड्डा गांव-दीनगढ़, पोस्ट-आलमसर जिला- बाडमेर, 344 702 (राजस्थान) [मो. : 09001988944]

रोचक पत्रिका

मैं विज्ञान प्रगति का एक बहुत पुराना पाठक हूँ (सन 1987 से)। उस समय इसका मूल्य 25 पैसा हुआ करता था। मैं जब पटना में पढ़ता था तो विज्ञान प्रगति केवल पटना के बस अड्डा वाली दुकान में मिला करती थी। आज तो यह बिहार में लगभग हर शहर में उपलब्ध हुआ करती है। आज मैं अपने विद्यालय के छात्रों को प्रेरित करने का काम करता हूँ कि विज्ञान प्रगति एक बार आवश्य पढ़ें। यह बहुत ही ज्ञानवर्द्धक और रोचक पत्रिका है। आज स्थिति यह कि विज्ञान प्रगति आने में देर हो जाती है तो बच्चे बेचैन होने लगते हैं।

श्री सुजीत कुमार सिंह, लालपरी देवी प्रो. बा. उ.वि. सह इण्टर कॉलेज, गोरेयाकोठी सिवान, 841 439 (बिहार) [मो. : 09006199921]

महत्वपूर्ण पत्रिका

विज्ञान प्रगति के सितम्बर 2016 के अंक की आमुख कथा 'कृषि को नई दिशा दिखलाता ड्रोन' में कृषि एवं समस्त कार्यों में ड्रोन की भूमिका को दर्शाया गया है। 'अपनी बात' के अन्तर्गत 'गेम ऑफ ड्रोन्स' की उपयोगिता पसंद आयी है। शुभदा कपिल जी द्वारा लिखित लेख 'क्या आपने पकड़ा पोकेमॉन' सामयिक लेख लगा। अत्यन्त प्राकृतिक लेख 'अल-नीनो व ला-नीना' ज्ञानवर्द्धक एवं प्रतियोगी परीक्षा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण था। 'बड़हल-वृक्ष' पर लिखा लेख उपयोगी एवं अविस्मरणीय लगा। 'क्यों गिरती है- आकाशीय बिजली' से बादल-बिजली को समझाया गया है। 'चीनी-रे-चीनी' लेख के माध्यम से चीनी की महत्ता पर प्रकाश डालने के लिए कोटि-कोटि धन्यवाद! 'बाँस और रिगाला' लेख से महत्वपूर्ण जानकारी मिली।

श्री देवेश त्रिपाठी ग्राम व पोस्ट-मेंहदूपार, जिला-संतकबीर नगर 272 154 (उ.प्र.) [मो. : 09161008183]